Roll No. ..... Total Printed Pages - 4

F-3324

B. A. (Part - III) Examination, 2022

(New Course)

SANSKRIT LITERATURE

PAPER SECOND

(नाटक, व्याकरण और अनुवाद)

Time : Three Hours] *[Maximum Marks:75*

सूचना - सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

इकाई - 1

1. किन्हीं दो श्लोकों की ससन्दर्भ व्याख्या कीजिए- **15**

(i) क्रियासु युक्तैर्नृप चारचक्षुषो
न वञ्चनीयाः प्रभवोऽनुजीविभिः।
अतोऽर्हसि क्षन्तुमसाधु साधु वा

हितं मनोहारि च दुर्लभं वचः।।

(ii) ताथापि जिह्मः स भवज्जिगीषया
तनोति शुभ्रं गुणसम्पदा यशः।
समुन्नयन् भतिमनार्यसङ्गमाद्
वरं विरोधोऽपि समं महात्मभिः।।

(iii) व्रजन्ति ते मूढधियः पराभवं
भवन्ति मायाविषु ये न मायिनः।
प्रविश्य हि घ्नन्ति शठास्तथाविधान्
असंवृताङ्गन्निशिता इवेषवः।।

(iv) पुरःसरा धामवतां यशोधना
सुदुःसहं प्राप्य निकारमीहशम्।
भवाहशाश्चेदधिकुर्वते रतिं
निराश्रया हन्त हता मनस्विता।।

इकाई -2

2. किरातर्जुनीयम् प्रथमसर्ग के अनुसार द्रौपदी द्वारा युधिष्ठिर को दिये गये परामर्श का वर्णन कीजिए। **15**

अथवा

भारवि की काव्यशैली की विशेषताओं पर प्रकाश डलिए।

इकाई -3

3. किन्हीं तीन श्लोकों की व्याख्या कीजिए- **15**

(i) तपःस्वाध्यायनिरतं तपस्वी वाग्विदां वरम्।
नारदं परिपप्रच्छ वाल्मीकिर्मुनियुंगवम्।।

(ii) धनदेन समस्त्यागे सत्ये धर्म इवापरः।
तमेवं गुणसम्पन्नं रामं सत्यपराक्रमम्।।

(iii) पूर्वं दत्तवरा देवी वरमेनयाचत।
विवासनं च रामस्य भरतस्याभिषेचनम्।।

(iv) ततो दग्ध्वा पुरीं लङ्कामृते सीतां च मैथिलीम्।
रामाय प्रियामाख्यातुं पुनरायान् महाकपिः।।

(v) देवताम्यो वरं प्राप्य समुत्थाप्य च वानरान्।
अयोध्यां प्रस्थितो रामः पुष्पकेण सुहृद्वृतः।।

अथवा

मूल रामायण का सारांश लिखिए

इकाई -4

किन्हीं <u>तीन</u> अलंकारों के लक्षण सोदाहरण लिखिए- **15**

(i) उपमा

(ii) उत्प्रेक्षा

(iii) यमक

(iv) अर्थान्तरन्यास

(v) दीपक

(vi) अतिशयोक्ति

इकाई -5

4. किसी <u>एक</u> विषय पर 15 वाक्यों में संस्कृत भाषा में निबन्ध लिखिए- **15**

(i) सत्सङ्गतेर्महत्त्वम्

(ii) छात्रजीवनम्

(iii) विद्याविहीनः पशुः

(iv) अस्मकं देशः